गणेश जन्मोत्सव के समापन पर शोभायात्रा निकाली

जयपुर, (का.सं.)। श्रीमोतीडूंगरी गणेश जन्मोत्सव के समापन पर रविवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व उनकी पत्नी डॉ सुदेश धनखड़ ने मुख्य रथ पर भगवान श्रीगणेशजी की आरती उतारकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। उपराष्ट्रपति व उनकी पत्नी ने मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में भगवान गणेशजी की पूजा अर्चना भी की। मोती डूंगरी गणेश मंदिर के महंत कैलाश शर्मा व महंत पूरणचंद शर्मा ने उपराष्ट्रपति व उनकी पत्नी को भगवान गणेशजी का दुपट्टा ओढ़ाया, जबकि महंत कैलाश शर्मा के पुत्र अभिषेक शर्मा ने भगवान श्री गणेशजी का चित्र भेंट किया। शोभायात्रा यात्रा के संयोजक प्रताप भानु सिंह ने शोभायात्रा का दुपट्टा ओढ़ाया। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्र संघ चालक डॉ रमेशचंद्र अग्रवाल व उनकी पत्नी भी मौजूद रहे। मुख्य रथ पर आरती के बाद विशाल शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। मोतीडूंगरी गणेश मंदिर से शुरू हुई शोभायात्रा देर रात गढ़ गणेश मंदिर तक जाकर सम्पन्न हुई। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर शोभायात्रा का स्वागत किया। मुख्य रथ पर भगवान गणेशजी की की भक्तों ने आरती उतारी। संयोजक प्रताप भानु ने बताया कि कुल 91 झांकिया शोभायात्रा में शामिल रही।

कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर युवती से दुष्कर्म

जयपुर। सिंधी कैंप थाना इलाके में एक होटल में युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीडिता का आरोप है कि आरोपित ने उसे नौकरी लगाने के बहाने मिलने के लिए बुलाया था और फिर कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने आरोपित के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करवाया।

पुलिस ने बताया कि हरियाणा निवासी 25 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि पिछले कुछ समय पहले उसका प्रशांत नाम के लड़के से सम्पर्क हुआ था। बातचीत के दौरान आरोपित ने उसे अच्छी सैलेरी पर नौकरी लगाने का झांसा दिया। आरोप है कि बातों के जाल में आरोपित ने उसे नौकरी लगवाने के विश्वास में फांस कर नौकरी लगाने के बहाने उसे जयपुर के सिंधीकैम्प स्थित होटल में मिलने बुलाया। नौकरी की जरूरत के चलते वह बताए होटल में मिलने पहुंच गई।

मिलने जाने पर आरोपित ने उसके कोल्ड ड्रिंक पीने का ऑफर की। कोल्ड ड्रिंक में नशा मिला होने के कारण वह बेहोशी छाने लगी। बेहोशी की हालत में आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। होश आने पर विरोध करने पर किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। परेशान होकर पीड़िता ने परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद सिंधी कैंप थाने में परिजनों के साथ पहुंचकर मामला दर्ज करवाया।

सूरत महानगर पालिका महापौर दक्षेश मवानी का अभिनंदन

जयपुर। शनिवार को जयपुर प्रवास पर आए सूरत महानगर पालिका के महापौर दक्षेश मवानी का विप्र फाउंडेशन की ओर से अभिनंदन किया गया। सूरत महापौर ने विप्र फाउंडेशन के जनहित कार्यों की भरपूर सराहना की और बताया कि मुझे इंटरनेशनल सोसायटी फॉर परशुराम कोंशसनेस की ओर से राष्ट्रीय संयोजक डॉ. हर्षा त्रिवेदी का पत्र प्राप्त हुआ है। इस्पेक के अनुरोध पर शीघ्र ही महानगर पालिका की ओर से सूरत में भगवान परशुराम जी के नाम पर एक सर्किल बनाया जाएगा। महापौर का अभिनंदन करने वालों में संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विमलेश शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री सतीश शर्मा, इस्पेक के राष्ट्रीय प्रभारी प्यारे लाल शर्मा, पार्षद मुकेश शर्मा काका, पारस जैन, जयपुर ग्रामीण अध्यक्ष रमेश मावेवाला, जोन-1 के संगठन महामंत्री राहुल शर्मा, पुष्पेंद्र शर्मा, जोनल मीडिया प्रभारी राहुल पांडे, रामबाबू शर्मा आदि उपस्थित थे।

बोर्ड कार्यालय का उद्घाटन आज

जयपुर। श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के नवीन कार्यालय का उद्घाटन 9 सितंबर 2024 को उद्यिमता एवं विकास संस्थान झालाना सांस्थानिक एरिया (आरएसएलडीसी) जयपुर में दोपहर 12:15 बजे होगा। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के कौशल नियोजन एवं उद्यिमता मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एवं राज्यमंत्री के.के.बिश्नोई होंगे। विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार कल विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर पद भार ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम में कौशल नियोजन व उद्यिमता विभाग के अधिकारी सहित विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ नागरिक एवं भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय लिख रहे हैं आयुर्वेद का अद्वितीय ग्रन्थ 'यजुर्विदतन्त्र'

इस ग्रंथ के लेखन और प्रतिष्ठित प्रकाशन द्वारा छापने में लगभग 2 वर्षों का समय लगेगा

जयपुर। राजस्थान के पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख डॉ. दीप नारायण पाण्डेय इन दिनों आयुर्वेद के अद्वितीय ग्रन्थ 'यजुर्विदतन्त्र' का लेखन कर रहे हैं। यह संहिता स्वास्थ्य की रक्षा हेतु आहार, विहार, सद्वृत्त,स्वस्थवृत्त, रसायन, प्रसन्नताविज्ञान, प्रज्ञाविज्ञान, जराविज्ञान जैसे महत्वपूर्ण अनेक विषयों पर केंद्रित है। इसके माध्यम से, आयुर्वेदिक विज्ञान के गूढ़ रहस्यों को प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि यह जन-सामान्य के लिए भी सुलभ और समझने योग्य हो।

डॉ. पाण्डेय,जो आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की कई महत्वपूर्ण कमेटियों के सदस्य भी हैंने अपने दीर्घकालिक अनुभव और आयुर्वेद के गहन अध्ययन को इस ग्रंथ में समाहित किया है। 'यजुर्विदतन्त्र' के लेखन का उद्देश्य न केवल आयुर्वेद के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार करना है, बल्कि इसके पीछे छिपे वैज्ञानिक दृष्टिकोण को भी उजागर करना है। यह ग्रंथ विभिन्न बीमारियों कीरोकथाम और स्वस्थ जीवन जीने के सिद्धांतों और उपयोग-योग्य ज्ञानको प्रतिपादित है। इसमें आहार, विहार, सद्वृत्त, और स्वस्थवृत्त जैसे विषयों को विशेष रूप से महत्व दिया गया है, जिनका पालन करने से न केवल शरीर की रक्षा होती है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को भी बढ़ावा मिलता है।

'यजुर्विदतन्त्र' ग्रंथ में विशेष रूप से आहार-विहार के महत्व को रेखांकित किया गया है। आहार (भोजन) को रोगों से बचाव का मूल माना गया है, और इसके माध्यम से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को,बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन को भी प्राप्त किया जा सकता है। यजुर्विदतन्त्र में बताया गया है कि किस प्रकार आहार को संतुलित और प्राकृतिक बनाए रखकर विभिन्न रोगों से बचाव किया जा सकता है।

विहार (जीवन शैली) पर चर्चा करते हुए, ग्रंथ में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए उचित दिनचर्या, योग, और ध्यान की महत्ता को रेखांकित किया गया है। इसके अलावा, सद्वृत्त (अच्छे आचरण) और स्वस्थवृत्त (स्वास्थ्यप्रद व्यवहार) पर आधारित जीवन जीने के तरीकों का भी विस्तार से वर्णन किया गया है।

रसायन,प्रसन्नताविज्ञान,प्रज्ञाविज्ञान ,जराविज्ञान, वृक्षायुर्वेदजैसे विषयों को भी इस संहिता में समाहित किया गया है। रसायन के अंतर्गत दीर्घायु और स्वास्थ्य के लिए उपयोगी औषधियों और खाद्य पदार्थों का वर्णन किया गया है। प्रसन्नताविज्ञान के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य और आनंदमय जीवन की दिशा में मार्गदर्शन दिया गया है। प्रज्ञाविज्ञान और जराविज्ञान में बुद्धि, स्मरणशक्ति, और वृद्धावस्था के दौरान स्वास्थ्य को बनाए रखने के उपायों का विस्तार से उल्लेख किया गया है।

डॉ.दीप नारायण पाण्डेय

इस ग्रंथ के लेखन और प्रतिष्ठित प्रकाशन द्वारा छापने में लगभग 2 वर्षों का समय लगेगा। इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किया जा रहा है और इसके प्रकाशन से पहले, 'यजुर्विदतन्त्र' का देश-विदेश के 1200 से अधिक आयुर्वेदिक चिकित्सकों, विद्वानों, और शोधकर्ताओं से ओपन पीयर-रिव्यू (समीक्षा) कराया जा रहा है। यह समीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करेगी कि 'यजुर्विदतन्त्र' में प्रस्तुत जानकारी पूर्ववर्ती संहिताओं,समकालीन वैज्ञानिक शोध,और वैद्यों के अनुभव की दृष्टि से आलोकितहै। इसके माध्यम से, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि यह ग्रंथ आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों के साथ आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर भी खरा उतरे।

- **इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किया जा रहा है और इसके प्रकाशन से पहले, 'यजुर्विदतन्त्र' का देश-विदेश के 1200 से अधिक आयुर्वेदिक चिकित्सकों, विद्वानों, और शोधकर्ताओं से ओपन पीयर-रिव्यू (समीक्षा) कराया जा रहा है।**

'यजुर्विदतन्त्र' के विशेष आकर्षण में से एक 'याज्यात्विषा त्रिवेणी' व्याख्या है। इस व्याख्या को संस्कृत,हिंदी और अंग्रेजी,तीनों भाषाओं में प्रस्तुत किया जाएगा,जिससे यह ग्रंथ न केवल भारत के भीतर,बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पढ़ने और समझने में आसान हो। 'याज्यात्विषा त्रिवेणी' व्याख्या के माध्यम से, ग्रंथ के मूल सिद्धांतों को अधिक गहराई से समझाया जाएगा, जिससे पाठक आसानी से समझ सकें कि आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपने दैनिक जीवन में कैसे लागू किया जा सकता है।

'यजुर्विदतन्त्र' के प्रकाशन से आयुर्वेद की प्रतिष्ठा जन-सामान्य में और बढ़ेगी। इस ग्रंथ के माध्यम से, आयुर्वेद के प्राचीन विज्ञान को आधुनिक संदर्भ में पुनःस्थापित किया जाएगा। यह विज्ञान केवल भारत में ही नहीं, बल्कि विश्वभर में स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर सकेगा।

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय का यह प्रयास न केवल आयुर्वेद के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाएगा, बल्कि आयुर्वेदिक विज्ञान को एक नई दिशा और दृष्टिकोण भी प्रदान करेगा। आयुर्वेद के इस नए ग्रंथ के माध्यम से, सभी के लिए स्वास्थ्य की एक समग्र दृष्टि प्रस्तुत की जाएगी, जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को एक साथ संतुलित करती है। 'यजुर्विदतन्त्र' के माध्यम से, डॉ. पाण्डेय का लक्ष्य जन-सामान्य के मध्य आयुर्वेद की प्राचीन विद्या को पुनर्जीवित करना और इसके महत्व को व्यापक स्तर पर फैलाना है। यह ग्रंथ न केवल चिकित्सकों और शोधकर्ताओं के लिए, बल्कि आम जनता के लिए भी एक मूल्यवान संसाधन सिद्ध होगा।

'यजुर्विदतन्त्र' आयुर्वेद के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। डॉ. दीप नारायण पाण्डेय के इस प्रयास से आयुर्वेद की प्राचीन और समृद्ध परंपराएँ पुनः जीवित होंगी,और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई दिशाएँ और दृष्टिकोण विकसित होंगे। इस ग्रंथ के माध्यम से, आयुर्वेद के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाने और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ समन्वय स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

अखिल भारतीय हरियाणा ब्राह्मण महासभा का प्रतिभा सम्मान समारोह 15 को

जयपुर। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सामूहिक गोठ कार्यक्रम रविवार 15 सितम्बर को श्री सिद्धपीठ बैनाड़ा धाम बस्सी में आयोजित होगा। सम्मान समारोह में इस वर्ष सैकेण्डरी से स्नातकोत्तर तक 85 प्रतिशत अंक लाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। रविवार को अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज धर्मशाला में आयोजित बैठक आयोजित हुई।

समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधी चन्द शर्मा ने बताया कि इस वर्ष नीट एवं आईआईटी में सलैक्ट होने वाले छात्र-छात्राओं का भी सम्मान किया जाएगा। साथ ही सितंबर 2023 से अगस्त 2024 तक समस्त राजकीय सेवाओं में चयनित होने वाली सभी प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। राष्ट्रीय महामंत्री सीताराम अलियाबाद ने बताया कि इस कार्यक्रम में देशभर से लगभग 25 हजार समाज बंधुओं के भाग लेने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष शंभुलाल कुईवाला ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह को सफल बनाने के लिए कई भामाशाहों ने सहयोग राशि की घोषणा की। बैठक में राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष रामनारायण कांजला, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमान नायला, राष्ट्रीय सहमहामंत्री बंशी बोहरा, राष्ट्रीय सहकोषाध्यक्ष गोपाल गोगोरिया, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश मावावाले, युवा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुनील टीलावाला, जयपुर ज़िला ग्रामीण अध्यक्ष बजरंग लाल बोहरा, बस्सी तहसील अध्यक्ष शंकर हल्दीन्या दयारामपुरा, बाबूलाल खेड़ी, आदि समाज बंधु मौजूद रहे।

कलैक्टर ने सांगानेर में लिया विकास कार्यों का जायजा

ज़िला कलैक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने रविवार को सांगानेर में विकास कार्यों का जायजा लिया। कलक्टर ने सैटेलाइट अस्पताल की भूमि का मौका मुआयना किया।

जयपुर । ज़िला कलैक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने रविवार को सांगानेर में विकास कार्यों का जायजा लिया। कलक्टर ने सैटेलाइट अस्पताल की भूमि का मौका मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. सोनी ने संबंधित मुख्य अभियंता को जल्द से जल्द सेटेलाइट हॉस्पिटल का निर्माण कार्य शुरू करने के लिए निर्देशित किया।

कलक्टर ने बताया कि सैटेलाइट हॉस्पिटल के जिए जयपुर विकास प्राधिकरण ने 25142 वर्ग मीटर भूमि का पट्टा जारी कर दिया है।

जिला कलक्टर ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय का निरीक्षण कर अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त परिवादों के उचित संधारण एवं समयबद्ध, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। कलक्टर के दौरे के दौरान उपखंड अधिकारी सांगनेर हिम्मत सिंह, तहसीलदार अरविंद कविया सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

- **प्रस्तावित सैटेलाइट अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए**

नाहरगढ़ से लापता युवक की बरामदगी के लिए हाईकोर्ट में याचिका

जयपुर। नाहरगढ़ की पहाड़ियों से लापता हुए युवक राहुल पाराशर की बरामदगी को लेकर उसके पिता ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ मामले में सोमवार को सुनवाई करेगी।

राहुल पाराशर के पिता सुरेश चंद्र शर्मा की ओर से दायर इस याचिका में कहा गया कि उसके बेटे को किसी ने कैद कर लिया है। ऐसे में उसकी जान को खतरा है। इसलिए पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए जाए कि उसे तलाश कर कोर्ट में पेश करे। याचिका में पुलिस पुलिस की लापरवाही की बात भी कही गई है। मामले में डीजीपी, गृह सचिव, मानव तस्करी निरोधक यूनिट के एडीजी सहित अन्य पुलिस अधिकारियों को पक्षकार बनाया गया है। गौरतलब है कि राहुल पाराशर अपने भाई आशीष के साथ 1 सितंबर को चरण मंदिर घूमने की कहकर घर से निकला था। अगले दिन पुलिस को आशीष का शव पहाड़ियों पर मिला और राहुल अभी तक लापता चल रहा है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने आरंभिक स्तर पर मामले में उनकी मदद नहीं की।

आम सूचना हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री महावीर प्रसाद शर्मा, निवासी 246, दादू मार्ग, बरकत नगर, जयपुर के पुत्र शशांक शर्मा एवं उनकी पुत्रवधू आकांक्षा शर्मा के विचारों में कोई तालमेल नहीं होने के कारण मेरे अभिभाष्य के उक्त पुत्र एवं पुत्रवधू को मेरे अभिभाष्य ने घर से बेदखल कर दिया है। मेरे अभिभाष्य के निवास स्थान पर उनका कोई सामान आदि शेष नहीं है व उनका मेरे अभिभाष्य से अब किसी प्रकार का कोई वास्ता नहीं रहा है। उनका मेरे अभिभाष्य के निवास स्थान में प्रवेश का कोई अधिकार नहीं है। मेरे अभिभाष्य ने उनसे संबंध विच्छेद कर लिया है। सूचित रहें।
दिनांक : 08.09.2024 (रवीन्द्र शर्मा), एडवोकेट
एफ-36, राम पथ, श्याम नगर, जयपुर मो. : 9829451212

नाम परिवर्तन
मैं आर्मी नम्बर 16031993N रैंक RFN. Krishnapal S/o Ishwar Singh R/o Village Chapliyakhed, Post-Khadawada. Teh-Garoth, Dist-Mandsaur, M.P. Pin 458880 आर्मी सर्विस रिकोर्ड में मेरी पिताजी का नाम Ishwart Singh गलत दर्ज है सही नाम Ishwar Singh है Vide Affidavit BV 165751 Jaipur. Dated 30.08.2024.

राजस्थान आवासन मण्डल
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर
0141-4901853
आम जाहिर सूचना राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा वीकेण्ड होम संख्या-312 महात्मा गांधी दस्तकार नगर नायला जयपुर, क्षेत्रफल 44.28 वर्ग मीटर का आवंटन श्री अभिनव स्वरूप पुत्र श्री सुरेन्द्र स्वरूप को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 171 दिनांक 06/01/2021 जारी किया था। श्री अभिनव स्वरूप की मृत्यु दिनांक 19/04/2024 को जाने के कारण श्री सुरेन्द्र स्वरूप पुत्र स्व.श्री श्याम सुन्दर के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त वीकेण्ड होम का हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त वीकेण्ड होम के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति / बैंक / संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञिप्त प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री सुरेन्द्र स्वरूप पुत्र स्व.श्री श्याम सुन्दर के पक्ष में उक्त वीकेण्ड होम के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।
सम्पदा प्रबंधक
वृत तृतीय, रा.आ. मण्डल जयपुर

जुगल प्रजापति को केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया

जयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य जुगल प्रजापति को महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए जलगांव लोकसभा क्षेत्र की 6 विधान सभा क्षेत्रों का केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया हैं। इसमें जलगांव शहर, जलगाव ग्रामीण, अमलनेर, अरनडोल, चालीस गाम, पाचोरा शामिल है।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सुर ताल की समापन संध्या में रूहानी हुई शाम

जयपुर। डेल्फीक काउंसिल ऑफ़ राजस्थान, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर और उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के संयुक्त तत्वाधान में 6 से 8 सितंबर तक आयोजित तीन दिवसीय सुर ताल उत्सव का समापन रविवार को जवाहर कला केंद्र में हुआ। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक हेमंत प्रियदर्शी, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संदीप वर्मा, सेवानिवृत न्यायाधिपति दीपक माहेश्वरी, नगर निगम ग्रेटर की आयुक्त रुक्मणि रियार मुख्य अतिथि रहे।

समापन संध्या ग़ज़ल गायक प्रेम भंडारी, पमिल मोदी और देवेंद्र हिरन की सुरमई गज़लों के नाम रही । समापन संध्या में प्रेम भंडारी, पामिल मोदी और देवेंद्र हिरन नें एक साथ मंच साझा करके विभिन्न गज़लों को पेश किया जिनमे सात सुरों का बहता दरिया तेरे नाम, कोई जो मिले मुझ सा हसीन बात ना करना, ग़म का खज़ाना तेरा भी है, ए काश ऐसा हो जाए आदि गज़लों नें समा बांधा।

राजस्थान डेल्फिक काउंसिल की अध्यक्ष श्रेया गुहा ने बताया कि महोत्सव में प्रसिद्ध फोटोग्राफर शिरीष कराले नें 3 दिवसीय फोटोग्राफी वर्कशॉप में विद्यार्थियों को फोटोग्राफी विधा की विभिन्न बारीकीयों से अवगत करवाया है। इसके साथ ही पूरे भारत से आये कलाकारों नें भी नृत्य, शास्त्रीय संगीत गायन और वादन से दर्शकों को रूबरू करवाया।

डेल्फीक काउंसिल ऑफ़ राजस्थान, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर और उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के संयुक्त तत्वाधान में 6 से 8 सितंबर तक आयोजित तीन दिवसीय सुर ताल उत्सव का समापन रविवार को जवाहर कला केंद्र में हुआ।

कार्यक्रम के बाद गुहा और जयपुर जिला कलेक्टर डॉ जितेन्द्र सोनी नें सभी कलाकारों और अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक फुरकान खान, काउन्सिल के सदस्य आरएएस अधिकारी शिप्रा शर्मा, कीर्ति शर्मा, नवीन त्रिपाठी व राहुल सूद भी उपस्थित रहे।